

डॉ. जॉन ओसवाल्ट, किंग्स, सत्र 22, भाग 1

2 राजा 9-10, भाग 1

© 2024 जॉन ओसवाल्ट और टेड हिल्डेब्रांट

चलिए प्रार्थना करते हैं।

पिता जी, इन पलों के लिए आपका धन्यवाद। जैरी की प्रार्थना के लिए आपका धन्यवाद।

गाने का मौका देने के लिए आपका धन्यवाद। आमने-सामने होने के लिए आपका धन्यवाद। ओह, यह कितनी बड़ी आशीष है, अब जब हम आपके वचन का अध्ययन करेंगे तो हमारी मदद करें और हम आपके नाम पर आपको धन्यवाद देंगे।

आमीन। अगर आपको याद हो, तो हम राजाओं की किताबों की दूसरी मुख्य संरचना में हैं। और वह एलिय्याह, एलीशा की कहानियाँ हैं जो 1 राजा 16 या 17 में शुरू हुईं, माफ़ कीजिए।

और यह वास्तव में 2 राजा 13 तक चलेगा जब एलीशा मर जाता है। लेकिन हम यहाँ घटना के चरमोत्कर्ष पर आ रहे हैं। मूल रूप से, हमने लगभग 35 या 36 साल कवर किए हैं।

अहाब लगभग 875 में सिंहासन पर बैठा, और येहू के साथ यह घटना 841 में हुई। तो, यह सारी सामग्री, यहाँ पाँच अध्याय, या छह, मुझे कहना चाहिए यहाँ छह अध्याय, 13 वर्ष, 19 अध्याय लगभग 40 वर्षों के लिए समर्पित हैं। यह इतना महत्वपूर्ण है क्योंकि सवाल यह है कि क्या बाल एक महत्वपूर्ण सीमा तक यहोवा की जगह लेगा।

यही बात एलीशा ने 1 राजा के अध्याय 19 में कही थी। वह कहता है, हे परमेश्वर, वे सब भाग गए हैं। अब मेरे अलावा कोई नहीं बचा है।

परमेश्वर कहते हैं, ठीक है, यह बिलकुल सच नहीं है। 7,000 ऐसे लोग हैं जिन्होंने जमानत के लिए अपने घुटने नहीं टेके हैं, लेकिन फिर भी, एलिय्याह का न्याय आ रहा है। न्याय आ रहा है।

हमें यह बात ध्यान में रखनी चाहिए। भगवान की चक्की धीरे-धीरे पीसती है, लेकिन वह बहुत बारीक पीसती है। और यही यहाँ की तस्वीर है।

इसलिए, उसने अध्याय 19 में एलिय्याह से कहा, उसने कहा कि मैं चाहता हूँ कि तुम तीन काम करो। उसने कहा कि मैं चाहता हूँ कि तुम सीरिया के राजा हेज़ल का अभिषेक करो। और मैं चाहता हूँ कि तुम जे ह्यूग का अभिषेक करो, और मैं चाहता हूँ कि तुम एलीशा को बुलाओ।

अब, मैंने पिछली बार कहा था कि कुछ लोग थोड़े से नाराज़ हो जाते हैं और कहते हैं, ठीक है, एलिय्याह ने परमेश्वर की आज्ञा नहीं मानी। उसने सिर्फ़ एक तिहाई काम ही किया जो उसे करना चाहिए था। उसने एलीशा को बुलाया।

खैर, सच तो यह है कि जे ह्यूग और हेज़ल को बुलाना 10 साल पहले की बात होती। असल में, मुझे लगता है कि मैंने यह बात कई बार कही है।

मैं फिर से कहूँगा कि ये दो मंत्रालय नहीं हैं। ये एक मंत्रालय है।

और वास्तव में, जैसा कि हमने पिछली बार देखा, एलीशा ने हेज़ल और जे ह्यूग का अभिषेक किया, यह स्पष्ट है कि एलिय्याह ने उसे सिखाया था। वैसे, अब परमेश्वर के पास कहने के लिए कुछ भी नहीं है, आप यह नहीं जानते होंगे, लेकिन नहीं, यह बिल्कुल स्पष्ट है कि वह जानता है कि यह उसके आदेश का हिस्सा है। और इसलिए, हम इस महत्वपूर्ण क्षण पर आते हैं।

हेज़ल का अभिषेक किया गया है, जे ह्यूग का अभिषेक किया गया है, और समय आने वाला है। जब हम अध्याय नौ में 14 से 20 तक की आयतों को देखते हैं, तो हम एक चरित्र को प्रदर्शित होते हुए देखते हैं - एक महान निर्णायक चरित्र।

जे ह्यूग कहते हैं, यहाँ शिविर में किसी को मत बताना। हम जॉर्डन के पूर्वी किनारे पर रामोथ गिलाद में हैं, जो उत्तर और दक्षिण की ओर जाने वाले राजाओं के राजमार्ग और यिज़ेल घाटी से होकर भूमध्य सागर तक जाने वाले राजमार्ग के महान चौराहे पर है। सेना में किसी को मत बताना कि मैं जा रहा हूँ।

और इसलिए, वह पद 16 पर जाता है। वह अपने रथ पर सवार होकर यिज़ेल चला गया क्योंकि योराम वहाँ विश्राम कर रहा था। और यहूदा का राजा अहज्याह उससे मिलने गया था।

और आप यह तस्वीर देख सकते हैं। संदेशवाहक बाहर जाता है और कहता है, अच्छा, क्या तुम शांति से आए हो? और यहू कहता है, शांति से तुम्हारा क्या लेना-देना है? मेरे पीछे चले जाओ। एक और संदेशवाहक आता है।

क्या तुम शांति से आए हो? शांति से तुम्हारा क्या लेना-देना है? मेरे पीछे आओ। और योराम अपने पहरेदार से कहता है, तुम क्या देखते हो? अच्छा, साहब, जो भी आ रहा है, उसके साथ दूत भी शामिल हो गए हैं, और वह पागलों की तरह गाड़ी चला रहा है, इसलिए यह यहू ही होना चाहिए। कई, कई प्रचारक वर्षों से यहू के पीछे-पीछे चल रहे हैं।

वह हमें किंग जेम्स की भाषा में बहुत ही निर्णायक तरीके से आगे बढ़ाता है, जिसमें कोई अगर-मगर नहीं होता। और फिर योराम अपने रथ को बुलाता है।

हमें नहीं पता कि वह कितना बीमार था। वह युद्ध में मिले घावों के कारण वहाँ वापस आया था। लेकिन जो भी हो, वह बाहर जाकर उसका सामना करने जा रहा है।

अब, वह निर्णायकता ऐसी चीज होगी जिसके बारे में हमें सोचना होगा। आप जानते हैं, हर व्यक्ति की ताकत उसकी कमजोरी भी होती है। सवाल यह है कि ताकत को अधिकतम कैसे किया जाए और कमजोरियों से कैसे बचा जाए।

तो फिर आपको क्या लगता है कि दूतों ने येहू से झगड़ा क्यों नहीं किया, बल्कि तुरंत उसके साथ क्यों जुड़ गए? आपकी आदत छूट गई है। मुझे यह सुनकर दुख हुआ। ठीक है।

मुझे लगता है कि यह नंबर एक है। उन्हें उसकी प्रतिष्ठा पता होगी। ठीक है।

और क्या? यह आदमी खिलवाड़ नहीं करता। हाँ। किसी न किसी कारण से, उन्हें एहसास होता है कि यह आदमी जीतने वाला है।

और हम जीतने वाले पक्ष में शामिल होने जा रहे हैं। अब, मुझे लगता है कि संभवतः, जैसा कि हम आगे देखेंगे, लोगों को याद होगा कि एलिय्याह और एलीशा ने अतीत में क्या कहा था। और एलिय्याह ने नाबोत दाख की बारी में अहाब के राजवंश के बारे में कुछ बातें कही थीं।

और याद रखें, ओमरी पिता था। उसने ही इस परिवार की शुरुआत की और अहाब उसका बेटा है। मुझे आश्चर्य है कि, जैसा कि हम थोड़ी देर में देखेंगे, जे ह्यूग को याद था कि क्या कहा गया था।

मुझे आश्चर्य हुआ कि क्या अन्य लोगों को याद है कि मैंने वाह से क्या कहा था। भगवान ने इस राजवंश के अंत की घोषणा की है। मैं भगवान की तरफ होना चाहता हूँ।

मैं भी यही सोचता हूँ। क्या आपको नहीं लगता? वह कहाँ काम कर रहा है? वह कहाँ घूम रहा है? क्या हो रहा है? चलो हम उसके पक्ष में हैं। चलो हम उसके पक्ष में हैं।

इसलिए, येहू योराम के कंधों के बीच में गोली मारता है और श्लोक 25 को देखता है। येहू ने अपने रथ के सरदार योराम से कहा, उसे उठाकर यिज्जेली नाबोत के खेत में फेंक दो। याद है जब यहोवा ने उसके विरुद्ध यह भविष्यवाणी की थी, तब मैं और तुम उसके पिता अहाब के पीछे रथों में सवार होकर जा रहे थे?

यह हमें जे ह्यूग के अपने बुलावे के भाव के बारे में क्या बताता है? वह यहाँ क्या कर रहा है? वह ईश्वर की भविष्यवाणी को पूरा कर रहा है। वह एलिय्याह के शब्दों को पूरा कर रहा है, क्षमा करें, एलिय्याह। तो फिर, यहाँ एक ऐसा भाव है जिसमें हम यहाँ सैन्य तख्तापलट के बारे में बात नहीं कर रहे हैं जहाँ तक बाइबिल के पाठ का संबंध है।

यह एक सैन्य तख्तापलट है। जे ह्यूग जनरल हैं। आमतौर पर सैन्य तख्तापलट यहीं से आते हैं।

लेकिन वह इसे स्पष्ट रूप से समझ रहा है। मुझे लगता है कि न केवल नाबोत के अंगूर के बगीचे में जो कुछ हुआ था, उसकी याद से, बल्कि उसके अपने अभिषेक से भी। मैं यहाँ एक दिव्य आदेश के तहत हूँ।

अब, कभी-कभी हम ईश्वरीय आदेश देने में बहुत अच्छे होते हैं, लेकिन फिर भी, पाठ 26 वीं आयत में स्पष्ट रूप से यह कहता है। कल, मैंने नाबोत का खून देखा, और उसके बेटों का खून

यहोवा की घोषणा है। और मैं निश्चित रूप से इस भूमि के टुकड़े पर तुम्हें इसका भुगतान करूँगा, यहोवा की घोषणा है।

लेकिन अब देखिए क्या हुआ। श्लोक 27, जब यहूदा के राजा अहज्याह ने यह देखा कि क्या हुआ था, तो वह बेथ हगन के मार्ग से भाग गया। यहू ने उसका पीछा किया, चिल्लाते हुए, उसे भी मार डालो।

उन्होंने इब्लीम के पास गुर तक पहुँचने के रास्ते में उसे उसके रथ में घायल कर दिया, लेकिन वह मगिदो भाग गया और वहीं मर गया। क्या परमेश्वर ने अहज्याह को मारने के बारे में कुछ कहा था? नहीं, नहीं। अब, यह तो तय है कि अहज्याह एक अच्छा आदमी नहीं है।

वह अथल्याह का बेटा है जिसे हम अगले सप्ताह देखने जा रहे हैं, जो एक अच्छी महिला नहीं थी। वह अहाब की बेटी थी जिसका विवाह अथल्याह के पिता, यहोशापात के बेटे से हुआ था। जैसा कि मैंने पिछले सप्ताह कहा था, यह एक अच्छा कदम नहीं है।

फिर भी, पाठ में ऐसा कुछ नहीं है कि, ठीक है, अब हम यहाँ समाप्त करते हैं। अहज्याह को मरना ही होगा। ऐसा नहीं है।

यह हमें जे ह्यूग के बारे में क्या बताता है? अति उत्साही। बिल्कुल। बिल्कुल।

आज रात मैं आपसे एक बात कहना चाहता हूँ, और मैं इसे यहाँ तक दोहराता रहूँगा। परमेश्वर की इच्छा को परमेश्वर के तरीके के अलावा किसी और तरीके से पूरा करना संभव है। परमेश्वर की इच्छा को परमेश्वर के तरीके के अलावा किसी और तरीके से पूरा करना संभव है।

इसलिए, जब ईज़ेबेल को इस बारे में पता चलता है तो यहू वापस यिज़्रेल चला जाता है। उसने आँखों का मेकअप किया, अपने बाल संवारे और खिड़की से बाहर देखने लगी। ईज़ेबेल के चरित्र के बारे में क्या? माफ़ करें? यह सब दिखावे के बारे में है।

हाँ। इस समय तक, वह एक जवान औरत नहीं थी। लेकिन और क्या? मेरा मतलब है, बिल्कुल।

मेरा मतलब है, आप उसे रोते हुए नहीं देखते। वह अपनी जान की भीख नहीं मांग रही है। वह खेल को उसी तरह से खेलने जा रही है जिस तरह से उसने इसे पूरे समय खेला है, और यह डराने-धमकाने जैसा है।

उसने एलिजा को डराने की कोशिश की। वह इसमें काफी हद तक सफल रही। यह दुनिया के बारे में हमारे लिए क्या कहता है? दुनिया हमें डराने की कोशिश करेगी।

दुनिया उसी तरह से जे ह्यूग पर आरोप लगाने की कोशिश करेगी कि उसने अपने फायदे के लिए राजा को धोखे से मार डाला। दुनिया का यही तरीका है कि हमें दीवार के सामने खड़ा करने की कोशिश की जाए। जब हम ईश्वर की सेवा कर रहे होते हैं, जब हम उनकी इच्छा पूरी करने की कोशिश कर रहे होते हैं, तो दुनिया दया की मांग नहीं करेगी।

दुनिया शायद रोना-धोना नहीं करेगी, लेकिन वह पीछे धकेलने के लिए अपनी पूरी ताकत लगा देगी। और वह ठीक यही कर रही है। हाँ।

हाँ। तो वह कैसे मरी? उसे उसके नौकरों ने खिड़की से बाहर फेंक दिया था। इससे हमें क्या पता चलता है? कुछ लोग थे जो इस बात से तंग आ चुके थे।

कुछ लोग जो कट्टरपंथी कार्रवाई करने के लिए तैयार थे और सामान्य रूप से, दुनिया से निपटने के लिए, आपको यही करना था। यह एक कट्टरपंथी कार्रवाई है। पवित्रता में वृद्धि होती है।

हां। लेकिन ऐसे भी क्षण आते हैं जब हमें क्रांतिकारी कदम उठाने पड़ते हैं। कुछ चीजों से छुटकारा पाना पड़ता है।

कुछ चीजों का चयन तो करना ही पड़ता है, और यह समय जल्दबाजी में निर्णय लेने का नहीं है।